Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

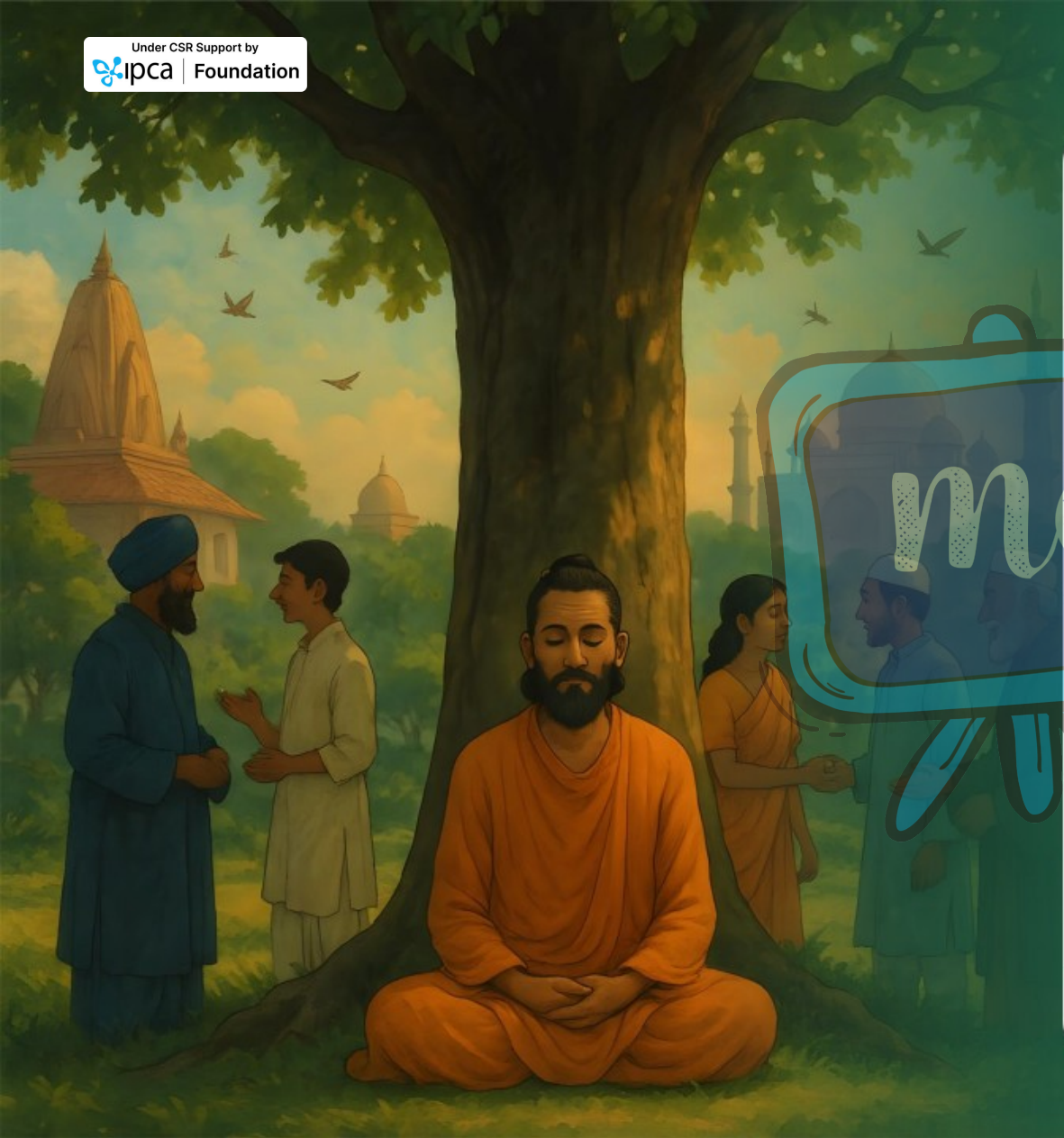

कक्षा – 9

हिन्दी

क्षितिज (काव्य खंड)

अध्याय –7 : साखियाँ, सबद (पद) (कबीर)

भाग – 6

अभ्यास प्रश्न - II

कुशाल सोलंकी



सबद

8. मनुष्य ईश्वर को कहाँ-कहाँ ढूँढ़ता फिरता है?

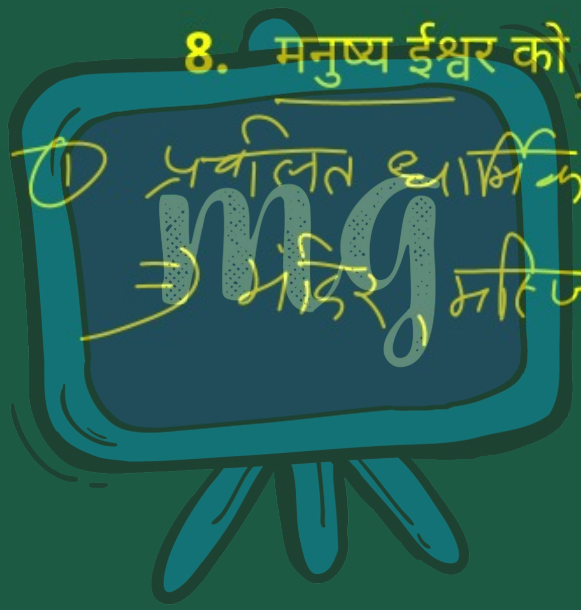

① प्रचलित धार्मिक आडम्बरों में।

⇒ मंदिर, मस्जिद अन्य धार्मिक स्थल



सबद

8. मनुष्य ईश्वर को कहाँ-कहाँ ढूँढ़ता फिरता है?

उत्तर : मनुष्य ईश्वर को मंदिर, मसजिद, काबा, कैलाश, योग, वैराग्य तथा विविध पूजा पद्धतियों में ढूँढ़ता फिरता है। कोई अपने देवता के मंदिर में जाता है, कोई मसजिद में जाता है। कोई उसे अपने तीर्थ स्थलों में खोजता है। कोई योग साधना या संन्यास में परमात्मा को खोजता है। कोई अन्य किसी साधना पद्धति को अपनाकर ईश्वर को खोजता है।



9. कबीर ने ईश्वर-प्राप्ति के लिए किन प्रचलित विश्वासों का खंडन किया है?



अभ्यास प्रश्न



9. कबीर ने ईश्वर-प्राप्ति के लिए किन प्रचलित विश्वासों का खंडन किया है?

उत्तर : कबीर ने ईश्वर-प्राप्ति के प्रचलित विश्वासों का खंडन किया है। उनके अनुसार ईश्वर न मंदिर में है, न मसजिद में; न काबा में है, न कैलाश आदि तीर्थ यात्रा में; वह न कर्मकांड करने में मिलता है, न योग साधना से, न वैरागी बनने से। ये सब ऊपरी दिखावे हैं, ढोंग हैं। इनमें मन लगाना व्यर्थ है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



10. कबीर ने ईश्वर को 'सब स्वाँसों की स्वाँस में' क्यों कहा है?



⇒ मानव मात्र में ईश्वर व्याप्त है

⇒ मानव मात्र का कल्याण।



10. कबीर ने ईश्वर को 'सब स्वाँसों की स्वाँस में' क्यों कहा है?

उत्तर : कबीर के अनुसार, ईश्वर घट-घट में व्याप्त है। वह साँस-साँस में समाया हुआ है। वह हर प्राणी के मन में विराजमान है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

11. कबीर ने ज्ञान के आगमन की तुलना सामान्य हवा से न कर आँधी से क्यों की?





11. कबीर ने ज्ञान के आगमन की तुलना सामान्य हवा से न कर आँधी से क्यों की?

उत्तर : कबीर के अनुसार, जब प्रभु ज्ञान का आवेश होता है तो उसका प्रभाव चमत्कारी होता है। उससे पूरी जीवन शैली बदल जाती है। सांसारिक बंधन पूरी तरह कट जाते हैं। यह परिवर्तन धीरे-धीरे नहीं होता, बल्कि एकाएक और पूरे वेग से होता है। इसलिए उसकी तुलना सामान्य हवा से न करके आँधी से की गई है।

अभ्यास प्रश्न



12. ज्ञान की आँधी का भक्त के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?



प्रभाव



12. ज्ञान की आँधी का भक्त के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर : ज्ञान की आँधी के आने से भक्त के मन के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। उसके मन के भ्रम दूर हो जाते हैं। माया, मोह, स्वार्थ, धन, तृष्णा, कुबुद्धि आदि विकार समाप्त हो जाते हैं। इसके बाद उसके शुद्ध मन में भक्ति और प्रेम की वर्षा होती है जिससे जीवन में आनंद ही आनंद छा जाता है।



13. भावे स्पष्ट कीजिए-

(क) हिति चित्त की द्वै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा।

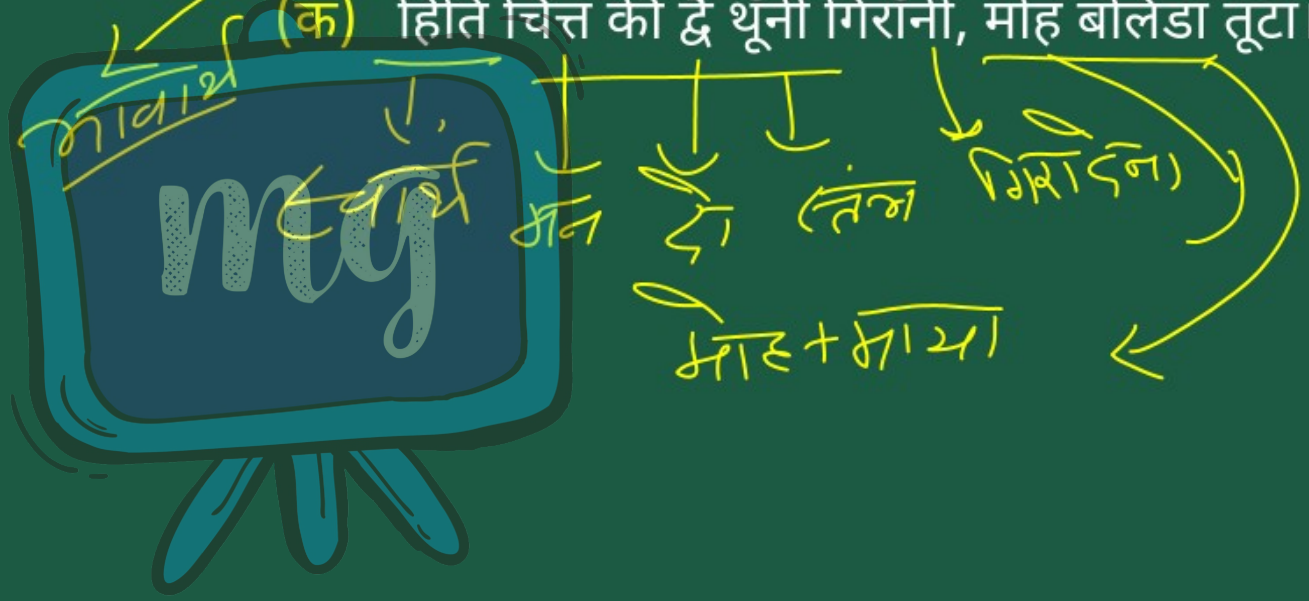



13. भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) हिति चित्त की द्वै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा।

उत्तर : इसका भाव यह है कि ईश्वरीय ज्ञान के आने से स्वार्थ चिंतन समाप्त हो गया तथा सांसारिक मोह नष्ट हो गया।

(ख) आँधी पीछे जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भींनाँ।

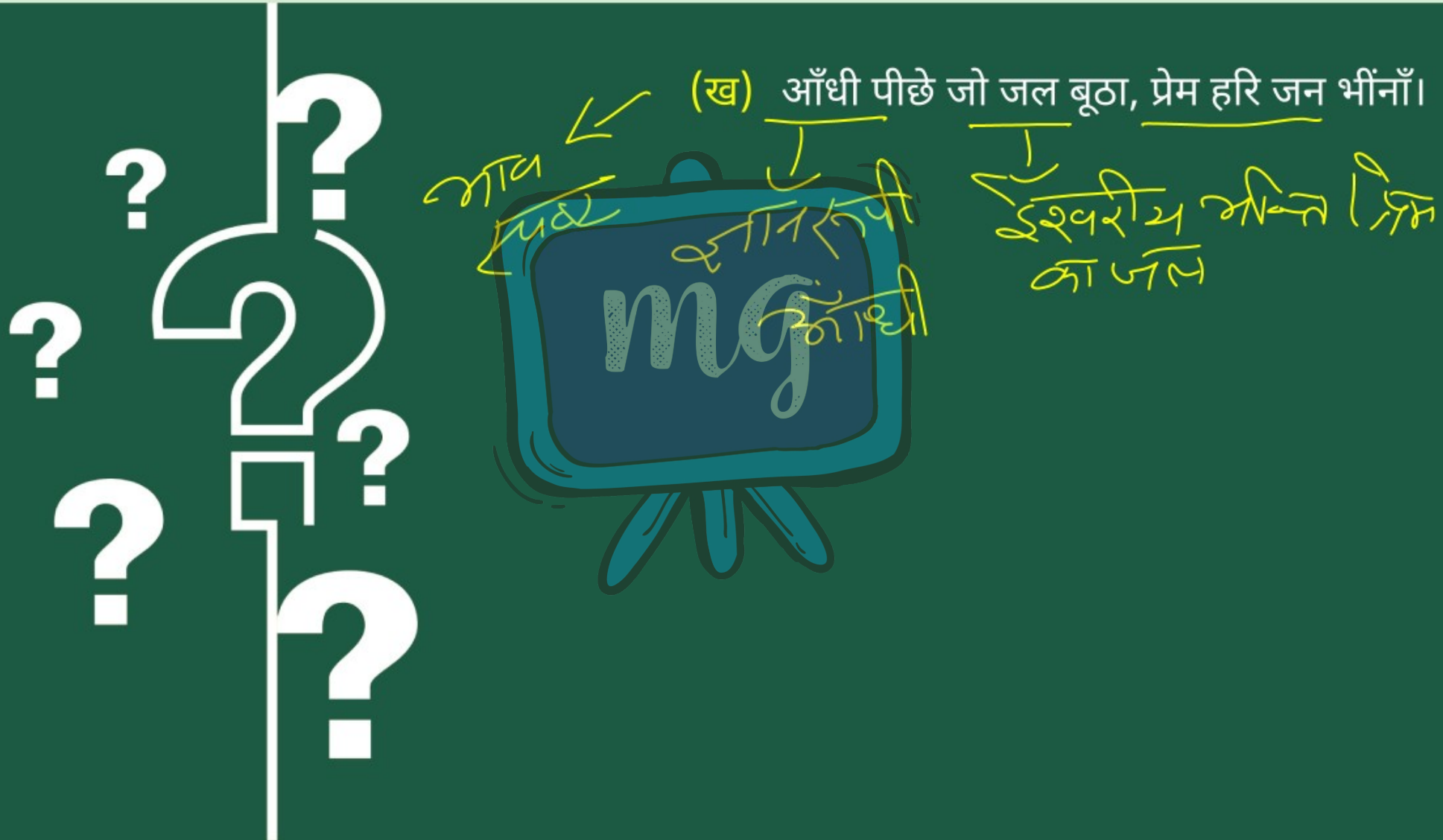

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(ख) आँधी पीछे जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भींनाँ।

उत्तर : इसका भाव यह है कि ईश्वरीय ज्ञान हो जाने के बाद प्रभु-प्रेम के आनंद की वर्षा हुई। उस आनंद में भक्त का हृदय पूरी तरह सराबोर हो गया।